MP Board Class 7th Social Science Solutions Chapter 24 सिक्ख एवं मराठा शक्ति का उत्कर्ष

प्रश्न 1.
निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए –
(1) 'खालसा' समूह का निर्माण किया
(अ) गुरु गोविन्द सिंह ने
(ब) गुरु तेगबहादुर ने
(स) बंदा बहादुर ने
(द) गुरु हरगोविन्द ने।
उत्तर:
(अ) गुरु गोविन्द सिंह ने

(2) मराठा शक्ति के संगठन का श्रेय है –
(अ) सम्भाजी को
(ब) शाहजी को
(स) शिवाजी को
(द) पेशवा को।
उत्तर:
(स) शिवाजी को

(3) शिवाजी की बढ़ती शक्ति को देखकर बीजापुर के सुल्तान ने शिवाजी का दमन करने के लिए किसे भेजा था ?
(अ) अफजल खाँ को
(ब) आदिल खाँ को
(स) शाइस्ता खाँ को
(द) हसनशाह को।
उत्तर:
(अ) अफजल खाँ को

(4) शिवाजी के अष्टप्रधान में सर्वोच्च स्थान था –
(अ) अमात्य का
(ब) सचिव का
(स) पण्डित राव का
(द) पेशवा का।
उत्तर:
(द) पेशवा का।

प्रश्न 2.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(1) "सच्चा पादशाह" की उपाधि ..... को दी गई।

(2) सिक्खों के प्रथम गुरु ..... थे।
(3) शिवाजी ने अपना राज्याभिषेक कराकर ..... की उपाधि धारण की।
(4) शिवाजी के राज्य की आय का साधन ..... था।
उत्तर:
(1) बन्दा बहादुर
(2) गुरुनानक
(3) छत्रपति
(4) भूमि कर।

लघु उत्तरीय प्रश्न
प्रश्न 3.
(1) गुरु गोविन्द सिंह ने सिक्ख शक्ति को मजबूत करने के लिए क्या प्रयास किये थे ?
उत्तर:
गुरु गोविन्द सिंह ने सिक्ख शक्ति को मजबूत करने के लिए राजकीय चिन्ह और सैनिक वेशभूषा धारण की। उन्होंने सिक्खों से भेट में घोड़े और शस्त्र लेना प्रारम्भ किया तथा समस्त सिक्खों को शस्त्र रखने को कहा।

(2) शिवाजी को प्रारम्भिक जीवन में किस प्रकार की शिक्षा मिली?
उत्तर:
शिवाजी को प्रारम्भिक जीवन में स्वतन्त्रता और सदाचार की शिक्षा मिली।

(3) शिवाजी ने अफजल खाँ का वध क्यों किया ?
उत्तर:
अफजल खाँ ने शिवाजी को षड्यन्त्र से मारने की योजना बनाई, शिवाजी को इस षड्यन्त्र का पता चल गया। उन्होंने अपनी रक्षा के लिए अफजल खाँ का वध कर दिया।

(4) टिप्पणी लिखिए –
(अ) अष्ट प्रधान
(ब) शिवाजी की सैनिक व्यवस्था।
उत्तर:
(अ) अष्ट प्रधान-शिवाजी ने शासन प्रबन्ध में सहायता और परामर्श के लिए आठ मन्त्रियों की एक परिषद् बनाई, जिसे अष्ट प्रधान कहा जाता है। इस परिषद् में प्रत्येक व्यक्ति अपने विभाग का प्रमुख होता था, परन्तु सभी शिवाजी की अध्यक्षता में काम करते थे। ये अष्ट प्रधान इस प्रकार थे –

- पेशवा (प्रधानमन्त्री)
- अमात्य (वित्तमन्त्री)
- सुमंत (विदेश मन्त्री)
- मन्त्री
- सचिव
- पंडितराव (पुरोहित)
- सेनापति
- न्यायाधीश।

https://www.evidyarthi.in/

(ब) शिवाजी की सैनिक व्यवस्था-शिवाजी ने नियमित एवं स्थायी सेना की व्यवस्था की थी। उनकी सेना में पैदल, अश्वारोही और जल सेना थी। सैनिकों पर कठोर अनुशासन व नियन्त्रण रहता था। पवित्र ग्रन्थों रामायण, गीता, कुरान आदि की रक्षा करना व बच्चों, वृद्धों तथा स्त्रियों का अपमान न होने देना, यह सैनिकों का प्रमुख कर्त्तव्य था।

दीघ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 4.

(1) मुगल तथा सिक्ख सम्बन्धों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

मुगल तथा सिक्खों के बीच सम्बन्ध अच्छे नहीं थे। वे जीवनभर मुगल सम्राटों के धार्मिक अत्याचारों और धर्मान्धता की नीति के विरुद्ध संघर्ष करते रहे। जहाँगीर ने अपने विद्रोही पुत्र खुसरो को सहायता देने के आरोप में गुरु अर्जुनदेव का वध कर दिया। गुरु गोविन्दसिंह के शक्तिशाली संगठन को देखकर उनके दो पुत्रों को जीवित चुनवाकर मार डाला तथा औरंगजेब के उत्तराधिकारी फर्रुखसियर ने बंदा बहादुर को यातना देकर मरवा दिया। सन् 1764 में अमृतसर में सिक्खों ने इकट्ठे होकर देग, तेग, फतेह चिन्हों वाले चाँदी के सिक्के जारी करके सिक्ख सम्प्रभुता की प्रथम घोषणा की।

(2) शिवाजी में उच्चकोटि की प्रशासनिक क्षमता थी।स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

शिवाजी के शासन प्रबन्ध का मुख्य उद्देश्य प्रजा की सुख-समृद्धि तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए श्रेष्ठ सेना का गठन करना था। शिवाजी राज्य के सर्वेसर्वा थे। असीम निरंकुश शक्तियों के होते हुए भी शिवाजी ने उनका उपयोग जन-कल्याण के कार्यों के लिए किया। वे वीर सेनानायक, कूटनीतिज्ञ व उत्तम शासक थे। धार्मिक सहिष्णुता, उच्चकोटि का चरित्र, न्यायप्रियता और कुशल प्रशासन के कारण, वे महान शासक के रूप में प्रसिद्ध हुए। उच्चकोटि की प्रशासनिक क्षमता के कारण शिवाजी ने अपना शासन सुचारु रूप से चलाया। अतः हम कह सकते हैं कि शिवाजी में उच्चकोटि की प्रशासनिक क्षमता थी।